

पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ०प्र०
(राजभवन सूचना परिसर)

मा० प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में जी-20 की तैयारी के संबंध
में आहूत बैठक में राज्यपाल ने वर्चुअली सहभाग किया

प्रतिनिधिमण्डल को हर तरह की सहूलियत प्रदान की जायेगी
—श्रीमती आनंदीबेन पटेल

लखनऊ: 9 दिसम्बर, 2022

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में जी-20 की तैयारी के संबंध में आहूत बैठक में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहां राजभवन स्थित प्रज्ञाकक्ष से आनलाइन शामिल हुईं।

अपने सम्बोधन में राज्यपाल जी ने कहा कि 1 दिसम्बर 2022 से 30 नवम्बर 2023 तक प्रधानमंत्री जी के कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश के 4 शहरों आगरा, वाराणसी, लखनऊ और ग्रेटर नोएडा में विभिन्न स्थलों पर 11 बैठकें आयोजित की गयी हैं, जो उत्तर प्रदेश के लिए अत्यन्त हर्ष का विषय है।

राज्यपाल जी ने कहा कि बैठकों में शामिल होने वाले जी0-20 देशों के प्रतिनिधिमण्डल का स्वागत राज्य सरकार से समन्वय स्थापित कर 13 फरवरी, 2023 का वेलकम डिनर/गाला डिनर लखनऊ राजभवन में किया जायेगा।

कुलाधिपति होने के नाते वाराणसी में आयोजित जी-20 देशों के प्रतिनिधिमण्डल का स्वागत एवं अभिनंदन वाराणसी स्थित सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय तथा महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा किया जायेगा।

राज्यपाल जी ने कहा कि सुरक्षा और संरक्षण से समझौता किए बिना ही प्रतिनिधियों को अपने शहरों का पता लगाने, अनौपचारिक तरीके से स्थानीय लोगों के साथ बातचीत करने के लिए इन्हें हर तरह की सहूलियत प्रदान की जायेगी।

उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों द्वारा किये गये नवाचारों, स्टार्टअप, सूचना प्रौद्योगिकी, पेटेण्ट तथा अन्य गतिविधियों का प्रदर्शन प्रदर्शनियों तथा डिजिटल माध्यम से किया जायेगा। प्रदेश में मथुरा, कानपुर, मेरठ, अयोध्या में 4 ऐसे विश्वविद्यालय हैं जहां कृषि के साथ-साथ पशुपालन की भी शिक्षा दी जाती है। इन उत्पादों से जुड़े निवेशों के लिए योजना बनाई जाये।

राज्यपाल जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि कृषि एवं पशुपालन तथा डेयरी उद्योग के संबंध में शिक्षण प्रशिक्षण तथा डेयरी उत्पादों के संबंध में तकनीकी के आदान प्रदान हेतु दो देशों के बीच एम0ओ0यू0 किया जा सकता है।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालयों द्वारा क्षय रोग ग्रसित बच्चों को गोद लेकर उनको स्वस्थ बनाने का कार्य, कुपोषण दूर करने के लिए पोषण पोटली उपलब्ध कराने का कार्य तथा सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीकाकरण जैसे कार्यों का भी प्रदर्शन किया जायेगा। हमारे सामान्य तथा 04 तकनीकी विश्वविद्यालयों से पारस्परिक सहयोग एवं आपसी साझेदारी, विद्यार्थियों के आदान-प्रदान, वर्चुअल शिक्षण, फैंकल्टी के आदान-प्रदान, ई-कक्षाओं तथा विस्तार पटल के माध्यम से सह-शिक्षण के लिए एम0ओ0यू0 किये जाने पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आर्ट और क्राफ्ट का सबसे बड़ा केन्द्र है।

राज्यपाल जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। यह राज्य भारत के प्रमुख सांस्कृतिक केन्द्रों का घर है। यहां पर आध्यात्मिक

एवं सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रामायण सर्किट, बौद्ध सर्किट तथा महाभारत सर्किट बनाये गये हैं।

उन्होंने कहा कि भारत विश्व की आध्यात्मिक राजधानी है। विविध सर्किटों और उनसे जुड़ी कथाओं के माध्यम से वसुधैव कुटुम्बकम् का विचार अच्छी तरह रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान छात्र समूह, कालेजों से, गाइड, स्वयंसेवकों के रूप में इस कार्य में बढ़चढ़ कर अपनी सहभागिता देंगे। राज्यपाल जी ने कहा कि स्थानीय संस्कृति और विरासत पर संक्षिप्त विवरण प्राप्त करने के लिए एवी, नोट्स आदि तैयार करने के लिए स्थानीय विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों, शिक्षकों तथा लेखकों का उपयोग किया जा सकता है।

जी-20 की तैयारियों के संबंध में आयोजित आनलाइन बैठक में समस्त प्रदेशों के राज्यपाल, उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री ने वर्चुअली सहभाग कर अपने-अपने राज्यों में बैठक हेतु की जा रही तैयारियों के संबंध में जानकारी दी।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव राज्यपाल श्रीमती कल्पना अवस्थी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

चन्द्र विजय वर्मा-सूचना अधिकारी/राजभवन
सम्पर्क सूत्र 9044381834

